संकल्प

बारहवां अंक 2026-27

हडको क्षेत्रीय कार्यालय - तिरुवनंतपुरम

वर्ष 2024–25 में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु प्रथम स्थान प्राप्त करने पर क्षेत्रीय प्रमुख, डॉ. अनिता तंपी (टोलिक अध्यक्ष एवं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एच.एल.एल. लाइफकेयर लिमिटेड) से सम्मान ग्रहण करते हुए।

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)

प्रमाण-पत्र

वर्ष 2024 - 2025 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग संबंधी कार्य निष्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) द्वारा यह प्रमाण- पत्र प्रदान किया जाता है।

तिरुवनंतपुरम
12.12.2025

डॉ. अनिता तंपी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड एवं अध्यक्ष,
तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)

प्रमाण पत्र

संकल्प

पत्रिका समिति

मुख्य संपादक

श्री श्याम कुमार एस

क्षेत्रीय प्रमुख

सलाहकार

श्री ए सोमदत्तन

सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा),

आयकर विभाग

श्रीमती अश्वती यू,

हिन्दी अनुवादक (ठेके आधार पर)

समिति

श्री हरिकृष्णन आर एस

संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना) / हिन्दी नोडल अधिकारी

श्रीमती सुजा एस, संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

श्री नवीन राज के,वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)

प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों / रचनाकारों के अपने हैं।
यह आवश्यक नहीं कि उनसे संपादक समिति की सहमति हो।

अनुक्रमणिका

- 3 पत्रिका समिति
- 4 अनुक्रमणिका
- 5 संदेश
- 6 संपादकीय
- 7 हडको ऊंचइयों की ओर क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम
- 8-9 राजभाषा हिंदी के संवर्धन में हडको, तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय की अग्रणी भूमिका
- 10-11 यूआईविन के तहत शहरी विकास को नई दिशा: हडको और अमृत मिशन के बीच समझौता ज्ञापन
- 12-13 यूआईविन के तहत शहरी विकास को नई दिशा: हडको और केरला इन्स्टिट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन -KILA के बीच समझौता ज्ञापन
- 14-15 लाइफ मिशन - केरल का समावेशी आवास अभियान
- 16-17 हिंदी पखवाड़ा 2025
- 18 बहुभाषी भारत में भाषा प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा : एक नई दिशा
- 19-21 परियोजना 'हडको पहल' — समावेशी शिक्षा की ओर एक सशक्त कदम
- 22 सी एस आर 'हडको पहल' के माध्यम से विद्यालय अवसंरचना को सुदृढ़ करना
- 23-25 कुमरकम की यादगार यात्रा
- 26 'स्वच्छता ही सेवा' 2025
- 27 हडको को समर्पित एक जीवन
- 28 तिरुवनंतपुरम नराकास (उपक्रम) द्वारा हडको क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण
- 29 टोलिक (उपक्रम) उत्कृष्ट राजभाषा कार्य निष्पादन पुरस्कार 2024-25
- 30 विश्व हिंदी दिवस समारोह: हडको क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम और सरकारी महिला महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम में एक यादगार आयोजन
- 31-32 सतर्कता जागरूकता सप्ताह — 27 अक्तूबर से 2 नवंबर 2025
- 33-34 उसके प्रेम का स्वरूप
- 35 वार्षिक खेल दिवस — 2026
- 36-37 केरल की सुदृढ़ सड़क अवसंरचना का रूपांतरण: KIIFB के साथ हडको की
- रणनीतिक साझेदारी
- 38 हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन
- 39-40 वह यात्रा जिसने मुझमें आत्मविश्वास जगाया
- 41 अभिवादन और अलविदा 2026
- 42 हडको शब्दावली

संदेश

प्रिय साथियों,

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि तिरुवनन्तपुरम क्षेत्रीय कार्यालय, हडको अपनी हिंदी गृह पत्रिका "संकल्प" के बारहवें अंक का प्रकाशन कर रहा है। हमारी राजभाषा हिंदी देश को एकता के सूत्र में पिरोने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निस्संदेह यह पत्रिका हडको तथा क्षेत्रीय कार्यालय की विविध गतिविधियों के साथ-साथ कार्मिकों की रचनात्मक एवं साहित्यिक प्रतिभाओं को उजागर करने में सार्थक सिद्ध होगी।

निगमित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राजभाषा लक्ष्यों की प्राप्ति में एकजुट एवं सक्रिय प्रयास तिरुवनन्तपुरम क्षेत्रीय कार्यालय की विशिष्ट पहचान रहे हैं। मुझे विश्वास है कि राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन में यह क्षेत्रीय कार्यालय भविष्य में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। मैं इस पत्रिका के सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई देता हूँ। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्मिकों तथा संपादक मंडल को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

संजय कुलश्रेष्ठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है कि हमारे प्रतिष्ठान की गृह पत्रिका "संकल्प" के बारहवें अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। आपके समक्ष प्रस्तुत है। यह पत्रिका न केवल हमारी संस्थागत उपलब्धियों और गतिविधियों का दर्पण है, बल्कि कर्मचारियों की सृजनात्मक प्रतिभा, नवाचार और बौद्धिक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच भी है।

"संकल्प" का प्रत्येक अंक राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और उसके प्रभावी प्रयोग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। यह पत्रिका प्रशासनिक कार्यों, सामाजिक सरोकारों, तकनीकी प्रगति तथा सांस्कृतिक मूल्यों को एक सूत्र में पिरोते हुए संगठन की समग्र प्रगति का सजीव चित्र प्रस्तुत करती है। इस अंक में कार्यालय की प्रमुख उपलब्धियों, विविध गतिविधियों, विचारोत्तेजक लेखों, कविताओं तथा ज्ञानवर्धक सामग्री का समावेश किया गया है, जो पाठकों को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगी।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह अंक भी अपने पूर्ववर्ती अंकों की भाँति पाठकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा और उन्हें ज्ञान, प्रेरणा तथा सृजनात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा। साथ ही, यह हम सभी को अपने कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और राजभाषा हिंदी के उपयोग को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित करेगा।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन में योगदान देने वाले सभी लेखकों, संपादकीय मंडल तथा सहयोगी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। आप सभी के निरंतर सहयोग से "संकल्प" नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता रहेगा।

आपके बहुमूल्य सुझाव और रचनात्मक प्रतिक्रियाएँ सादर आमंत्रित हैं, ताकि भविष्य के अंक और अधिक समृद्ध तथा उत्कृष्ट बनाए जा सकें।

श्याम कुमार एस
क्षेत्रीय प्रमुख

हडको

ऊंचाइयों की ओर

क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम

5 साल का संचालन				
वित्तीय वर्ष	मंजूरी (रुपये करोड़ों में)		संवितरण (रुपये करोड़ों में)	
	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
2021-22	1500.00	2510.00	1200.00	879.61
2022-23	950.00	2046.42	800.00	1100.00
2023-24	4200.00	3163.72	2000.00	2260.01
2024-25	5000.00	1930.00	1500.00	2484.92
2025-26	4000.00	5185.78	2000.00	2022.15

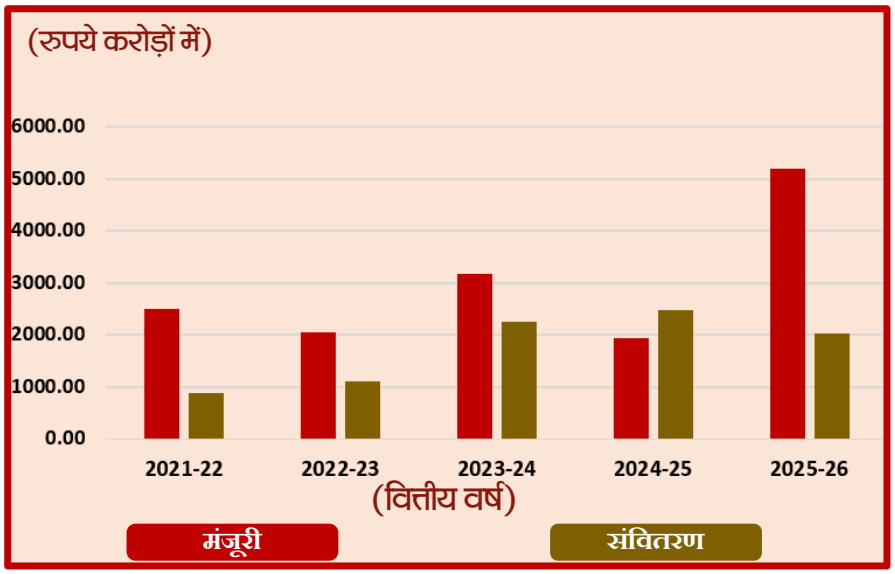

राजभाषा हिंदी के संवर्धन में हडको, तिरुवनन्तपुरम क्षेत्रीय कार्यालय की अग्रणी भूमिका

कार्यालय में राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन हमारे वार्षिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसका उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा राजभाषा नीति के प्रावधानों को सुदृढ़ रूप से लागू करना है। इस दिशा में कार्यालय द्वारा वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिनमें हिंदी कार्यशालाएँ, प्रतियोगिताएँ, राजभाषा समीक्षा बैठकें तथा जागरूकता कार्यक्रम प्रमुख हैं।इन पहलों के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इससे न केवल कार्यकुशलता में वृद्धि होती है, बल्कि राजभाषा के संवर्धन और प्रसार को भी बल मिलता है। वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना हमारे संस्थान की प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय दायित्व के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

वार्षिक कार्यक्रम में विशेष रूप से राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम, 1976 के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने पर बल दिया जाता है। इसके अंतर्गत कार्यालयीन पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना, द्विभाषी प्रपत्रों एवं नामपट्टों का उपयोग सुनिश्चित करना, अधिसूचनाओं, परिपत्रों और प्रतिवेदनों को हिंदी एवं अंग्रेजी में जारी करना तथा कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करना शामिल है।

भारत सरकार द्वारा हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाए जाने के पश्चात सभी केंद्रीय संस्थानों पर यह उत्तरदायित्व है कि वे अपने प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करें। इसी दिशा में हडको का तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय निरंतर सक्रिय और सराहनीय भूमिका निभा रहा है।

हडको, तिरुवनंतपुरम में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यालय में सभी पत्राचार, फाइलों का संधारण, सूचना पट, नामपट्ट तथा अन्य प्रशासनिक कार्यों में यथासंभव हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है। अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा नियमों के अंतर्गत द्विभाषिकता का पालन पूर्ण गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं।

कार्यालय में नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की जाती हैं, जिनमें हिंदी के प्रयोग से संबंधित प्रगति की समीक्षा की जाती है। इन बैठकों में कार्यान्वयन से संबंधित समस्याओं पर चर्चा कर उनके व्यावहारिक समाधान निकाले जाते हैं।

हिंदी टाइपिंग, प्रारूप लेखन तथा अन्य राजभाषा संबंधी विषयों पर समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन प्रयासों से कर्मचारियों की हिंदी में कार्य करने की दक्षता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में 'राजभाषा पखवाड़ा' का आयोजन किया जाता है, जिसमें निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, स्वरचित कविता, हिंदी शुद्ध लेखन तथा भाषण प्रतियोगिता जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित होती हैं। इन आयोजनों में कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यालय में हिंदी के प्रति सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण निर्मित होता है।

निष्कर्षतः हडको का तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन में एक आदर्श संस्थान के रूप में उभरकर सामने आया है। यह न केवल राजभाषा नीति के सफल क्रियान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत करता है, बल्कि हिंदी के संवर्धन और प्रसार के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। ऐसे प्रयास राष्ट्रभाषा के गौरव को सुदृढ़ करने के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता को भी नई दिशा प्रदान करते हैं।

श्री हरिकृष्णन आर एस
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)/
हिन्दी नोडल अधिकारी

यूआईविन के तहत शहरी विकास को नई दिशा: हडको और अमृत मिशन के बीच समझौता ज्ञापन

शहरी विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हडको) ने अर्बन इन्वेस्ट विंडो – यूआईविन की शुरुआत की है। यह एक समर्पित संस्थागत व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबीस) और शहरों को निवेश योग्य तथा व्यवहार्य शहरी अवसंरचना परियोजनाओं के विकास में सहयोग प्रदान करना है।

यूआईविन को एक संरचित सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है, जो परियोजना तैयार करने, वित्तीय संरचना तैयार करने, परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण तथा पूंजी बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने में शहरों की सहायता करेगा।

इसी क्रम में, हडको द्वारा 15–16 मार्च 2026 को विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश में अर्बन इन्वेस्ट विंडो (यूआईविन) पर पहला क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला के दौरान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में अमृत मिशन के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता 15 मार्च 2026 को श्री एम. नागराज, निदेशक (कॉरपोरेट प्लानिंग), हडको और श्री सूरज षाजी, आईएएस, मिशन निदेशक, अमृत मिशन, केरल सरकार के बीच संपन्न हुआ। यह समझौता ज्ञापन शहरी विकास के क्षेत्र में सहयोग को नई गति प्रदान करेगा। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की परिकल्पना की गई है:

हडको और अमृत मिशन, केरला के बीच समझौता ज्ञापन

1. शहरी क्षेत्र का समग्र विकास

- यूआईविन के अंतर्गत शहरी स्थानीय निकायों के एक निर्धारित क्षेत्र का चयन कर उसका समग्र विकास किया जाएगा।
- इसके अंतर्गत निवेश योग्य शहरी अवसंरचना परियोजनाओं का निर्माण और कार्यान्वयन किया जाएगा।
- संबंधित यूएलबी के लिए क्षमता विकास और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के उपाय किए जाएंगे।
- वित्तीय संरचना एवं वित्तीय समाप्ति में सहयोग दिया जाएगा, जिसमें निवेशकों को आकर्षित करना, म्यूनिसिपल बॉन्ड जारी करना तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से अनुदान का समन्वय शामिल है।
- शहरी परिसंपत्तियों की पहचान कर उनके मुद्रीकरण की दिशा में कार्य किया जाएगा।

2. तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन सहायता

- अमृत मिशन, केरल सरकार के एसएमएमयू द्वारा अनुशंसित परियोजनाओं के लिए तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन (Appraisal) में सहायता प्रदान की जाएगी।

3. प्रतिस्पर्धी ब्याज दर पर ऋण सुविधा

- परियोजनाओं के लिए हडको द्वारा कम एवं प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे परियोजनाओं की व्यावहार्यता बढ़ेगी।

4. क्षमता निर्माण एवं ज्ञान साझाकरण

हडको और अमृत मिशन के बीच यह समझौता ज्ञापन शहरी अवसंरचना विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूआईविन के माध्यम से शहरों को वित्तीय रूप से सशक्त, निवेश के लिए आकर्षक तथा योजनाबद्ध विकास की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह पहल न केवल शहरी निकायों की क्षमता को बढ़ाएगी, बल्कि देश के सतत और समावेशी शहरी विकास को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

श्री कार्तिकेयन एस
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

यूआईविन के तहत शहरी विकास को नई दिशा: हडको और केरला इन्स्टिट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन -KILA के बीच समझौता ज्ञापन

भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा हाल ही में "अर्बन इन्वेस्ट विन्डो(UiWIN)" नामक एक अभिनव पहल का शुभारंभ किया गया है। यह पहल शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को शहरी अवसंरचना के वित्तपोषण एवं विकास में सहयोग प्रदान करने हेतु एक सिंगल-विंडो समाधान के रूप में कार्य करेगी।

UiWIN का मुख्य उद्देश्य देशभर में शहरी अवसंरचना के क्षेत्र में विद्यमान बड़े इन्वेस्टमेन्ट गैप को कम करना है। इसके अंतर्गत ULBsको तकनीकी, वित्तीय तथा परियोजना नियोजन संबंधी सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही, शहरी स्थानीय निकायों की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया जाएगा, ताकि वे भविष्य की शहरी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

UiWIN एक राष्ट्रीय डिजिटल इंटरफेस के रूप में कार्य करेगा, जो विभिन्न शहरी हितधारकों—जैसे राज्य सरकारें, ULBs, वित्तीय संस्थान, तकनीकी विशेषज्ञ, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ तथा प्रशिक्षण संस्थान—को एकीकृत मंच पर जोड़ेगा। इस प्लेटफॉर्म का प्रबंधन हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) द्वारा किया जाएगा।

केरल राज्य में UiWIN के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) तथा केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान (केरला इन्स्टिट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन - KILA) के बीच 17 फरवरी 2026 को एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम केरल सरकार के माननीय मंत्री श्री एम बी राजेष (स्था नीय स्वशासन विकास, आबकारी एवं संसदीय कार्य) की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर KILA के डिरेक्टर जनरल श्री निजामुदीन ए., आई ए एस तथा हडको, तिरुवनंतपुरम के क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस. श्याम कुमार द्वारा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए गए।

श्री निजामुदीन ए., आई ए एस डिरेक्टर जनरल, KILA तथा श्री एस. श्याम कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख, हडको, तिरुवनंतपुरम द्वारा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करते हुए।

इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत जिन प्रमुख क्षमता विकास विषयों पर कार्य किया जाएगा, वे निम्नलिखित हैं—

- परियोजना संरचना एवं डीपीआर तैयार करना
- वित्तीय मॉडलिंग एवं बैंक योग्य परियोजनाओं की तैयारी
- अवसंरचना परियोजनाओं के डिज़ाइन, कार्यान्वयन एवं मॉनिटरिंग में तकनीकी सहयोग
- परिसंपत्ति मुद्रीकरण एवं परिसंपत्ति रजिस्टर की तैयारी

यह पहल केरल के शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने, परियोजनाओं को अधिक व्यवहार्य एवं निवेश योग्य बनाने तथा सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। UiWIN के माध्यम से हडको राज्य और स्थानीय निकायों के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करते हुए शहरी अवसंरचना विकास को नई गति प्रदान होगी।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई "UiWIN – अर्बन इन्वेस्ट विंडो" पहल शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को शहरी अवसंरचना के वित्तपोषण और विकास हेतु एक सिंगल-विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। इसका उद्देश्य देश में शहरी अवसंरचना के निवेश अंतर को कम करना तथा ULBs को तकनीकी, वित्तीय और परियोजना नियोजन संबंधी सहयोग देना है।

यह राष्ट्रीय डिजिटल इंटरफेस विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर जोड़ता है और इसका प्रबंधन हडको द्वारा किया जा रहा है।

केरल में UiWIN के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और केरला इन्स्टिट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन (KILA) के बीच 17 फरवरी 2026 को एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम केरल सरकार के मंत्री एम बी राजेश की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

यह पहल परियोजना संरचना, वित्तीय मॉडलिंग, तकनीकी सहयोग तथा परिसंपत्ति मुद्रीकरण जैसे क्षेत्रों में क्षमता विकास पर केंद्रित है, जिससे केरल के शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाकर सतत शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

हडको और केआईएलए (KILA) के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का यह कार्यक्रम केरल सरकार के माननीय मंत्री एम बी राजेश (स्थानीय स्वशासन विकास, आबकारी एवं संसदीय कार्य) की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

श्री श्याम कुमार एस
क्षेत्रीय प्रमुख

लाइफ मिशन (Livelihood Inclusion and Financial Empowerment) – केरल का समावेशी आवास अभियान

"लाइफ – आजीविका, समावेशन एवं वित्तीय सशक्तिकरण" मिशन केरल राज्य में बेघर परिवारों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम है। यह मिशन केंद्र सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई "सबके लिए आवास" योजना के अनुरूप लागू किया जा रहा है।

लाइफ आवास योजना के अंतर्गत राज्य की विभिन्न स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (LSGIs) द्वारा कुल 5,81,861 लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए पात्र के रूप में चिन्हित किया गया है। इनमें से अब तक 4,54,260 लाभार्थियों ने अपने घरों का निर्माण पूर्ण कर लिया है। शेष 1,27,601 लाभार्थियों में से 95,922 लाभार्थियों के घरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि 31,679 नए लाभार्थियों ने अभी तक संबंधित स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के साथ समझौता निष्पादित नहीं किया है। योजना का उद्देश्य सभी चिन्हित पात्र लाभार्थियों के आवास निर्माण को पूर्ण करना है।

इस महत्त्वाकांक्षी योजना को वित्तीय मजबूती प्रदान करने हेतु, हडको (हडको) द्वारा केरल अर्बन एंड रूरल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (KURDFC) को पाँच योजनाओं के अंतर्गत कुल 5469.94 करोड़ की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है। इसके माध्यम से केरल राज्य के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 2,60,571 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्मित ईडब्ल्यूएस (EWS) आवास

लाइफ मिशन न केवल गरीबों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, बल्कि यह सामाजिक समावेशन एवं वित्तीय सशक्तिकरण को भी मजबूती प्रदान कर रहा है। यह योजना केरल को "बेघर-मुक्त राज्य" बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर कर रही है।

लाइफ मिशन ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की जब पाँच लाख परिवारों को अपना घर प्रदान किया गया। यह उपलब्धि केरल में बेघरता को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

24 फरवरी 2026 को आयोजित कार्यक्रम "लाइफ मिशन के माध्यम से निर्मित 5 लाख घरों की पूर्णता की घोषणा" के दौरान केरल के माननीय मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि की आधिकारिक घोषणा की।

इस अवसर पर केरल सरकार ने हजारों परिवारों के आवास के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण वित्तीय सहयोग और समय पर सहायता प्रदान करने के लिए हडको को सम्मानित किया। कार्यक्रम में हडको, तिरुवनंतपुरम के क्षेत्रीय प्रमुख ने माननीय मुख्यमंत्री से स्मृति-चिह्न प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन में हितधारक के रूप में उत्कृष्ट योगदान हेतु केरल सरकार द्वारा स्मृति-चिह्न प्रदान किया गया।

लाइफ मिशन आज किफायती आवास के क्षेत्र में एक समग्र और अभिनव मॉडल के रूप में स्थापित हो चुका है। यह मिशन केवल घर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक कल्याण, आजीविका और वित्तीय सशक्तिकरण को एक साथ जोड़कर लाभार्थियों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने का प्रयास करता है।

इस प्रकार, लाइफ मिशन केरल में समावेशी विकास और मानवीय गरिमा को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है।

श्रीमती सुजा एस
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

हिंदी पखवाड़ा 2025

हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह का गरिमामय दृश्य।

हडको मुख्यालय के परिपत्र दिनांक 03.09.2025 के अनुसार, हडको तिरुवनन्तपुरम क्षेत्रीय कार्यालय में 14 सितंबर से 29 सितंबर 2025 तक हिंदी पखवाड़ा उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों में भाषा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन 15 सितंबर 2025 को हिंदी दिवस समारोह के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सोमदत्तन, सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी (आयकर विभाग), ने राजभाषा नीति और हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्यामकुमार एस. ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया।

उद्घाटन समारोह के उपरांत "कार्यालय में प्रयुक्त राजभाषा हिंदी का प्रयोग" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। साथ ही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय की गृह पत्रिका "संकल्प" की प्रति मुख्य अतिथि को भेंट की गई।

गृह पत्रिका "संकल्प" की प्रति मुख्य अतिथि को भेंट करते हुए।

क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा राजभाषा पखवाड़ा समापन के अवसर पर कार्यालय के सभी पुरस्कार विजेताओं को शुभकामनाएं दी और कहा कि इन सभी कार्यक्रमों से प्रेरण लेकर भविष्य में हम सब राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु सक्रिय रूप से कार्य करते रहेंगे एवं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हमेशा प्रयासरत रहेंगे। राजभाषा पखवाडा के दौरान कार्यालय का वातावरण काफी उत्साहवर्धक रहा और कार्यालय के सभी सदस्यों ने इसका आनंद उठाया तथा इस आयोजन केलिए नोडल अधिकारी की सराहना की।नोडल अधिकारी ने भी सभी से पुनः अनुरोध किया दैनिक काम-काज में अधिक से अधिक काम हिंदी में करें और कोई कठिनाई है तो कृपया नोडल अधिकारी से संपर्क करें। अंत में नोडल अधीकारी ने उपस्थित सभी को राजभाषा पखवाड़ा के दौरान दिए सक्रियतापूर्वक सहयोग एवं सहभागित्व केलिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ राजभाषा पखवाड़ा समारोह संपन्न हुआ। समग्र रूप से हिंदी पखवाड़ा 2025 राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा कार्यालयीन कार्यों में इसके प्रभावी उपयोग की दिशा में एक सफल और प्रेरणादायी आयोजन रहा।

पुरस्कार वितरण समारोह।

बहुभाषी भारत में भाषा प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा : एक नई दिशा

हिन्दी दिवस 2025 के अवसर पर भाषा, प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में "बहुभाषी भारत में भाषा प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा की भूमिका" शीर्षक पुस्तक का प्रकाशन किया गया। यह पुस्तक हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हडको) तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित की गई है। पुस्तक का विमोचन 14 सितंबर 2025 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं हडको के संयुक्त तत्वावधान में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी तथा हडको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुलश्रेष्ठ जी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

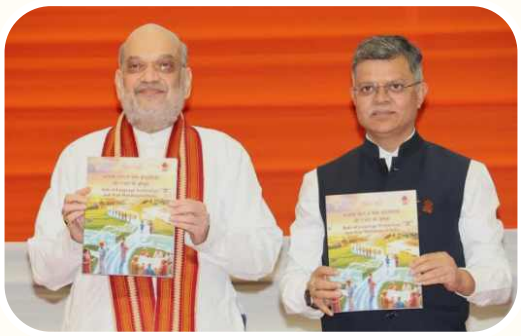

बहुभाषी भारत के लिए एआई की नई दिशा—पुस्तक विमोचन समारोह की एक झलक।

यह पुस्तक बहुभाषी भारतीय समाज में भाषा प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (Artificial Intelligence) की बढ़ती भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशानुसार इस पुस्तक को देशभर के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालयों को उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों में भाषा के प्रति रुचि, तकनीकी समझ और नवाचार की भावना को प्रोत्साहन मिल सके। इसी क्रम में मुख्यालय के निर्देशानुसार तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा केरल के 39 केन्द्रीय विद्यालयों में इस पुस्तक की प्रतियाँ प्रेषित की गई हैं।

क्षेत्रीय प्रमुख पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय पट्टम, तिरुवनंतपुरम के प्राचार्य को पुस्तक की एक प्रति प्रदान करते हुए।

श्री नवीन राज के
वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)

परियोजना 'हडको पहल' – समावेशी शिक्षा की ओर एक सशक्त कदम

शिक्षा किसी भी समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला होती है। विशेष रूप से वंचित एवं हाशिए पर स्थित वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना एक समतामूलक और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को साकार करने हेतु हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) ने एक नई पहल—"प्रोजेक्ट हडको पहल – समावेशी शिक्षा की ओर कदम"—आरंभ की है। इस योजना का लक्ष्य सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विद्यालयों तथा अन्य बाल संरक्षण संस्थानों में शैक्षिक एवं सहायक अधोसंरचना का विकास करना है।

इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन द्वारा राज्यभर में सार्थक और दृश्य प्रभाव उत्पन्न करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय ने तीन प्रमुख एजेंसियों की पहचान की है—कुडुम्बश्री, केरल महिला समाख्या सोसायटी (केएमएसएस) तथा श्रीचित्रा होम, तिरुवनंतपुरम।

कुडुम्बश्रीः डिजिटल शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण

कुडुम्बश्री, केरल सरकार का राज्य गरीबी उन्मूलन मिशन है, जो सोसायटी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत एक प्रतिष्ठित संस्था है। यह महिलाओं के सशक्तिकरण, स्थानीय विकास, जनजातीय कल्याण और परिवार कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

हडको पहल के अंतर्गत कुडुम्बश्री के ब्रिज स्कूलों को हाई-टेक स्मार्ट लर्निंग सेंटर में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है। इन विद्यालयों का उद्देश्य गैर-औपचारिक शिक्षा और मुख्यधारा की शिक्षा के बीच की खाई को पाटना है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। ये स्कूल स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता और जीवन कौशल पर विशेष ध्यान देते हैं तथा जनजातीय बच्चों में विद्यालय त्याग दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक कक्षा को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, जिनमें शामिल हैं—

- 64 इंच का 4K इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड (इनबिल्ट कंप्यूटर सहित),
- साउंड सिस्टम,
- इंटरनेट कनेक्टिविटी।

ये स्मार्ट कक्षाएँ बच्चों को दृश्य, श्रव्य और अनुभवात्मक अधिगम का अवसर प्रदान करेंगी। साथ ही शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों और ई-लर्निंग सामग्री के प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। हडको द्वारा राज्य के पाँच जिलों में ऐसे 10 केंद्रों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनकी कुल लागत 22.60 लाख है।

इन्टरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड के उद्घाटन के बाद लिया गया समूह चित्र।

केरल महिला समख्या सोसाईटी (केएमएसएस): शिक्षा और पुनर्वास की दिशा में प्रयास

केरल महिला समख्या सोसाईटी, केरल सरकार के सामान्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत है और महिलाओं तथा बच्चों के उत्थान के लिए शिक्षा को सशक्त माध्यम बनाती है। यह कार्यक्रम राज्य के आठ जिलों में संचालित है और विद्यालय छोड़ चुकी बालिकाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ने का कार्य करता है।

केएमएसएस के अंतर्गत संचालित निर्भया शेल्टर होम शोषण और हिंसा की शिकार महिलाओं एवं बालिकाओं को संरक्षण और पुनर्वास प्रदान करता है। तिरुवनंतपुरम जिले में यह केंद्र आफ्टरकेयर होम, पूजाप्पुरा के सहयोग से संचालित होता है। हडको ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत इस केंद्र को 2.04 लाख की सहायता प्रदान की, जिसके तहत लैपटॉप, बेड, टेबल, कुर्सियाँ और पंखे उपलब्ध कराए गए। इस परियोजना का उद्घाटन श्री एन.एस.के. उमेश, आईएएस, निदेशक, सामान्य शिक्षा विभाग, केरल सरकार द्वारा किया गया।

उद्घाटन श्री एन.एस.के. उमेश, आईएएस, निदेशक, सामान्य शिक्षा विभाग,
केरल सरकार द्वारा किया गया।

श्रीचित्रा होम, तिरुवनंतपुरमः आश्रय और शिक्षा का संगम

श्रीचित्रा होम, तिरुवनंतपुरम, अनाथ, अर्ध-अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए एक सुरक्षित आश्रय है। वर्तमान में यह केरल सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन कार्यरत है और इसके अध्यक्ष जिला कलेक्टर, तिरुवनंतपुरम हैं। यहाँ 6 वर्ष से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक अध्ययनरत 136 बच्चे निवास करते हैं, जिनमें 87 बालिकाएँ और 49 बालक शामिल हैं।

यह संस्थान बच्चों की शिक्षा, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य, व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका विकास का समुचित ध्यान रखता है। हडको पहल के अंतर्गत इस संस्थान को 2.95 लाख की सहायता प्रदान की गई, जिसके तहत बेंच-कम-डेस्क, पंखे और ट्यूबलाइट उपलब्ध कराए गए। इस परियोजना का उद्घाटन श्री ओ. वी. अल्फ्रेड, आईएएस, सहायक कलेक्टर, तिरुवनंतपुरम द्वारा किया गया।

"हडको पहल – समावेशी शिक्षा की ओर कदम" केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि समाज के वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक सशक्त माध्यम है। यह पहल डिजिटल शिक्षा, सामाजिक सशक्तिकरण और समान अवसरों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है।समावेशी, सशक्त और शिक्षित भारत के निर्माण की दिशा में हडको की यह पहल वास्तव में प्रेरणादायक और सराहनीय है।

उद्घाटन ओ. वी. अल्फ्रेड, आईएएस, सहायक कलेक्टर, तिरुवनंतपुरम द्वारा किया गया।

श्री कार्तिकेयन एस
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

सी एस आर 'हडको पहल' के माध्यम से विद्यालय अवसंरचना को सुदृढ़ करना

शैक्षिक विकास के प्रति अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रतिबद्धता के तहत,(हडको) ने अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में ड्यूल बेंच/डेस्क की आपूर्ति एवं स्थापना की एक योजना सफलतापूर्वक लागू की है। इस परियोजना के लिए 25.00 लाख की स्वीकृत राशि तथा 24.71 लाख के निविदा मूल्य के साथ, केरल के पाँच आवासीय विद्यालयों में 240 ड्यूल बेंच/डेस्क की आपूर्ति और स्थापना सुनिश्चित की गई। इस योजना से लाभान्वित विद्यालय पालोट, मलाइनकीष़, कुलत्तूपुष़ा, श्रीकार्यम और पत्तनंतिट्टा में स्थित हैं। इस पहल से कक्षाओं की अवसंरचना में सुधार हुआ है तथा विद्यार्थियों को आरामदायक बैठने की सुविधा प्राप्त हुई है। फर्नीचर की आपूर्ति का अनुबंध प्रकाशम इन्डस्ट्रीज़ को सरकारी e-Marketplace (GeM पोर्टल) पर पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से प्रदान किया गया। इस परियोजना को हडको द्वारा सीधे कार्यान्वित किया गया तथा आपूर्ति किए गए फर्नीचर की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। कार्य पूर्ण रूप से संपन्न हो चुका है, जिससे जनजातीय समुदाय के अनेक विद्यार्थियों को लाभ मिला है।

शिक्षा क्षेत्र में अपने समर्थन को और सुदृढ़ करते हुए, हडको के निदेशक मंडल ने अपनी 673वीं बैठक, दिनांक 29 अक्तूबर 2024 में देशभर के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में फर्नीचर एवं फिक्स्चर उपलब्ध कराने के लिए एक व्यापक सी एस आर प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। इस प्रस्ताव के अंतर्गत 615.00 लाख की कुल राशि का प्रावधान किया गया है। इस पहल का विशेष ध्यान आकांक्षी जिलों एवं गांवों में स्थित उन विद्यालयों पर है, जहां निम्न-आय वर्ग के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

ऐसी लक्षित सी एस आर पहलों के माध्यम से हडको भारत भर में शैक्षिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों के लिए बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर सार्थक योगदान दे रहा है।

हडको के सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत विद्यालयों को प्रदत्त बेंच एवं डेस्क।

डॉ. हाम सिंग ओलिवर
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

कुमरकम की यादगार यात्रा

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम द्वारा 13 से 15 फरवरी 2026 तक केरल के कोट्टयम जिले के कुमरकम में एक पारिवारिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को कार्यस्थल से बाहर आपसी संवाद, मनोरंजन तथा पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करना था।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर कुमरकम की सैर।

कुमरकम केरल का एक प्रसिद्ध बैकवॉटर पर्यटन स्थल है, जो अपनी शांत जलधाराओं, हरित प्राकृतिक वातावरण और भारत की सबसे लंबी झील वेम्बनाड झील के मनोहारी दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह क्षेत्र अंतर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कुमरकम पक्षी अभयारण्य के लिए भी प्रसिद्ध है, जहाँ प्रतिवर्ष अनेक प्रवासी पक्षी आते हैं। पारंपरिक हाउसबोट यात्रा, समृद्ध जैव विविधता और शांत वातावरण कुमरकम को पारिवारिक अवकाश एवं प्रकृति के सान्निध्य का आदर्श स्थल बनाते हैं।

दल 13 फरवरी को सायंकाल क्षेत्रीय कार्यालय से प्रस्थान कर उसी रात केटीडीसी वाटरस्केप्स रिज़ॉर्ट पहुँचा। वेम्बनाड झील के तट पर स्थित इस रिसॉर्ट ने प्रतिभागियों को शांत एवं ताजगीपूर्ण वातावरण प्रदान किया।

14 फरवरी को वेम्बनाड झील के सुंदर बैकवॉटर मार्गों से होते हुए पारंपरिक हाउसबोट क्रूज़ का आयोजन किया गया। यह यात्रा पातिरामणल और तन्नीरमुक्कम क्षेत्रों से होकर गुज़री। हाउसबोट पर ही दोपहर का भोजन परोसा गया, जिससे प्रतिभागियों को केरल की विशिष्ट बैकवॉटर संस्कृति का अनुभव प्राप्त हुआ। सायंकाल परिवारजनों ने कुमारकाम वॉटर टुरिज़म पार्क का भ्रमण किया, जहाँ सभी ने जल-आधारित मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया।

कुमरकम यात्रा की अविस्मरणीय स्मृतियाँ।

15 फरवरी को प्रातः नाश्ता एवं दोपहर भोज के उपरांत दल कुमरकम से प्रस्थान कर सायंकाल तिरुवनंतपुरम पहुँचा। इस प्रकार यह पारिवारिक भ्रमण सुखद एवं यादगार अनुभव के साथ संपन्न हुआ।

कुमरकम केरल राज्य के कोट्टयम जिले में स्थित एक सुंदर और प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यह वेम्बनाड झील के किनारे बसा हुआ है और अपनी शांत प्राकृतिक सुंदरता तथा समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

कुमरकम हरे-भरे खेतों, नारियल के पेड़ों और मैंग्रोव वनों से घिरा हुआ एक मनमोहक क्षेत्र है। यहाँ की झीलें, नहरें और जलमार्ग इसे अत्यंत आकर्षक बनाते हैं। शांत जल में तैरते कमल और कुमुदिनी के फूल इसकी सुंदरता को और बढ़ाते हैं। कुमरकम के बैकवॉटर कुट्टनाड क्षेत्र का हिस्सा हैं, जिसे "केरल का धान का कटोरा" कहा जाता है। यहाँ हाउसबोट की सैर मुख्य आकर्षण है, जिसमें पर्यटक शांत जलमार्गों के बीच गाँवों का जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने की विधियाँ और प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेते हैं। यहाँ के रिसॉर्ट्स और होमस्टे पर्यटकों को आयुर्वेदिक उपचार, योग और ध्यान जैसी सुविधाएँ भी प्रदान करते हैं। कुमरकम अपनी जैव विविधता के लिए भी प्रसिद्ध है। यहाँ स्थित कुमरकम पक्षी अभयारण्य में देश-विदेश से आने वाले प्रवासी पक्षियों को देखा जा सकता है। वेम्बनाड झील में विभिन्न प्रकार की मछलियाँ पाई जाती हैं, जिनमें 'करिमीन' (पर्ल स्पॉट मछली) विशेष रूप से प्रसिद्ध है। कुमरकम के पर्यटन विकास की शुरुआत 20वीं सदी में हुई, जब एक अंग्रेज़ हेनरी बेकर ने यहाँ अपना निवास बनाया। बाद में यह स्थान एक प्रसिद्ध पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हुआ। आज कुमरकम "उत्तरदायी पर्यटन" के लिए भी जाना जाता है, जो पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समुदाय के विकास को बढ़ावा देता है।

यहाँ आने वाले पर्यटक केरल के ग्रामीण जीवन का वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। पारंपरिक मछली पकड़ना, नारियल से संबंधित कार्य, ताडी (स्थानीय पेय) बनाना और स्थानीय भोजन यहाँ की विशेषताएँ हैं। लोगों की सरलता और आतिथ्य पर्यटकों को अत्यंत प्रभावित करता है। कुमरकम प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण का एक अद्भुत संगम है। इसकी शांत झीलें, हरियाली और स्थानीय जीवन शैली

इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। कुमरकम की यात्रा न केवल एक सैर है, बल्कि प्रकृति और मानव के बीच संतुलन का अनुभव भी है।

यह भ्रमण हडको परिवार के सदस्यों के बीच एकता, सौहार्द और पारस्परिक सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुआ।

कुमरकम भ्रमण के अवसर पर समूह चित्र।

श्रीमती जी गीताकुमारी
वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)

'स्वच्छता ही सेवा' 2025

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' 2025 अभियान का आयोजन देशभर में 17 सितम्बर 2025 से 2 अक्तूबर 2025 तक किया जाएगा, जिसका समापन 'स्वच्छ भारत दिवस' के अवसर पर होगा। इस वर्ष की थीम 'स्वच्छोत्सव' रखी गई है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता को जन-जन का उत्सव बनाना तथा प्रत्येक नागरिक में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें विशेष रूप से 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान कार्यक्रम शामिल है, जो 25 सितम्बर 2025 को प्रातः 8 बजे आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामूहिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ भारत के लक्ष्य को साकार करना है।

उक्त अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय 2 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (CTUs) को अपनाएं तथा अभियान अवधि के दौरान उनके रूपांतरण की दिशा में ठोस कदम उठाएं। इसके साथ ही, जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आम नागरिकों को भी इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

साफल्यम कॉम्प्लेक्स परिसर में पूर्व एवं पश्चात् परिवर्तन का दृश्य।

बार्टन हिल, तिरुवनंतपुरम के परिसर में पूर्व एवं पश्चात् परिवर्तन का दृश्य।

श्रीमती श्रीविद्या एस
संयुक्त महा प्रबंधक (विधि)

हडको को समर्पित एक जीवन

अंतिम बार मैंने वह संदेश सुना—
"आपका वेतन जमा कर दिया गया है" की बीपिंग,
अंतिम बार मैंने बाहर निकलते हुए हाजिरी लगाई,
क्योंकि आज मैं हुआ हूँ स्वतंत्र—पूर्णतः स्वाधीन!

पहली बार मैं घर जा रहा हूँ, दफ्तर की चिंताओं को पीछे छोड़कर,
तैंतीस वर्षों बाद, अपने घर का आनंद लेने, जैसे पहले कभी नहीं,
पहली बार मैं अपने सहयोगियों को जी जान से याद करूँगा,
क्योंकि अब मैं लौटकर नहीं आऊँगा यहीं।
अंतिम बार मैं उस ऊँची पीठ वाली कुर्सी पर बैठा,
अपने शेष कार्यों को पूरा करने के लिए,
अंतिम बार मैंने अपने ज्ञान का निष्पक्ष प्रयोग किया,
क्योंकि अब मैं इस बंधन से मुक्त हुआ हूँ सदा के लिए।

पहली बार मेरी आँखों में दफ्तर में ही जोड़ें आँसू छलक आए,
जब तीन दशकों की यादें मन में उमड़ आईं,
पहली बार खिड़की के बाहर आकाश इतना नीला दिखा,
क्योंकि मैं सरकारी दायित्वों की छाया से बाहर आ गया था अभी।

अंतिम बार मैंने हरे पन्ने पर अपने हस्ताक्षर किए,
अपनी भावनाओं को सँभालने का भरसक प्रयास करते हुए,
अंतिम बार मैं उस दोपहर की बैठक में शामिल होना चाहता था,
क्योंकि अब मैं अनंत अवकाश पर जा रहा हूँ,
मुस्कुराते हुए।

पहली बार मैं अपनी दराज खुली छोड़कर जा रहा हूँ,
क्योंकि अब कोई आधिकारिक रहस्य शेष नहीं,
पहली बार चश्मे पर नमी ने दृष्टि को धुँधला कर दिया,
क्योंकि विदा मैं दिल की गहराइयों से ले रहा हूँ यहीं।

अंतिम बार मैंने प्रेम से मनी प्लांट को पानी दिया,
मानो वह भी मुस्कुराकर मुझे विदा कर रहा हो,
अंतिम बार सहयोगियों के साथ ठहाके लगाए,
क्योंकि मैं शान-ठान से करें। साथ विदा लेना चाहता था।

पहली बार सदा के लिए विदा लेते समय मन में मिलीजुली भावनाएँ हैं,
हर्ष और विषाद का एक अद्भुत संगम,
पहली बार हृदय पहले से अधिक व्याकुल प्रतीत हो रहा है,
क्योंकि अब मैं कल लौटकर नहीं आऊँगा पुनः।

डॉ. हाम सिंग ओलिवर
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

तिरुवनंतपुरम नराकास (उपक्रम) द्वारा हडको क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण

दिनांक 27 नवंबर 2025 को हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम में नराकास (उपक्रम) द्वारा राजभाषा निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण टोलिक के सदस्य सचिव डॉ. सुरेष कुमार आर. तथा श्रीमती गिरिजा कुमारी, सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी (भविष्य निधि), के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

निरीक्षण दल के साथ हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम।

निरीक्षण दल ने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन, कार्यालयीन पत्राचार में हिंदी के उपयोग, विभिन्न प्रपत्रों एवं अभिलेखों में हिंदी की उपलब्धता तथा कार्यस्थल पर हिंदी प्रचार-प्रसार की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया। दल के वरिष्ठ सदस्यों ने हिंदी के प्रगामी उपयोग के लिए सुझाव एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किए।हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम ने राजभाषा नीति के पालन और हिंदी के निरंतर प्रोत्साहन के प्रति अपने संकल्प को दोहराया।

टोलिक (उपक्रम) उत्कृष्ट राजभाषा कार्य निष्पादन पुरस्कार 2024-25

दिनांक 12.12.2025 को आयोजित तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक), उपक्रम की 22 वीं बैठक के अवसर पर हडको तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय को वर्ष 2024–25 के लिए उत्कृष्ट राजभाषा कार्यनिष्पादन के क्षेत्र में छोटे कार्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त कार्यालय की गृह पत्रिका "संकल्प" को उत्कृष्ट गृह पत्रिका की श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष टोलिक (उपक्रम) डॉ.अनिता तंपी महोदया से प्राप्त किया गया। इस अवसर पर कार्यालय को टोलिक राजभाषा वैजयंती तथा श्रेष्ठता प्रमाण पत्र से भी सम्मानित किया गया।

राजभाषा कार्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम।

यह उपलब्धि कार्यालय में राजभाषा हिंदी के सतत एवं प्रभावी कार्यान्वयन, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता तथा सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। यह सम्मान भविष्य में भी राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

श्री हरिकृष्णन आर एस
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)/
हिन्दी नोडल अधिकारी

विश्व हिंदी दिवस समारोह: हडको क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम और सरकारी महिला महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम में एक यादगार आयोजन

भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह संस्कृति, विचार और राष्ट्रीय पहचान का सशक्त आधार भी होती है। इसी भावना को सुदृढ़ करते हुए सरकारी महिला महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया, जिसमें हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम की सक्रिय सहभागिता उल्लेखनीय रही।

समारोह का उद्घाटन डी.वाय.एस.पी., सीबीआई, एससीबी तिरुवनंतपुरम श्री कुमार रौनक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती उमाज्योती , प्रभारी प्राचार्य, सरकारी महिला महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम ने की। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में ऐसे आयोजनों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम के क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्याम कुमार एस ने मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदी दिवस के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने हिंदी भाषा की वैश्विक स्वीकार्यता, साहित्यिक समृद्धि और सांस्कृतिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है, बल्कि यह विश्व मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के अध्ययन, प्रयोग और संवर्धन के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान हडको की ओर से महाविद्यालय पुस्तकालय को हिंदी की चयनित पुस्तकों का उपहार प्रदान किया गया। यह पहल हडको की सामाजिक एवं शैक्षणिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए ज्ञानवर्धन का एक उपयोगी संसाधन सिद्ध होगी।

समारोह में छात्राओं द्वारा हिंदी भाषा की महत्ता को दर्शाती कविताएँ, नाट्य प्रस्तुतियाँ एवं गीत प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने हिंदी की सांस्कृतिक विरासत और सौंदर्य को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। महाविद्यालय के शिक्षकों और अतिथियों ने इन प्रस्तुतियों की सराहना की।

हडको की सहभागिता से सम्पन्न यह आयोजन न केवल हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि हडको सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विकास के क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विश्व हिंदी दिवस जैसे कार्यक्रम हिंदी के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार की दिशा में एक सार्थक कदम हैं।

क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा पुस्तकालयाध्यक्ष को पुस्तकें प्रदान की गईं।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 27 अक्तूबर से 2 नवंबर 2025

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन 27 अक्तूबर से 2 नवंबर 2025 तक किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में ईमानदारी, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता का संदेश फैलाना था। इस अवसर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों एवं संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें नागरिकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

28 अक्तूबर 2025: नागरिकों के साथ संवाद सत्रः- 28 अक्तूबर 2025 को तिरुवनंतपुरम स्थित शंकर नगर रेज़िडेन्ट्स एसोसिएशन के सहयोग से एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र के दौरान सतर्कता के महत्व, दैनिक जीवन में ईमानदार आचरण तथा भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की गई। नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि सतर्कता केवल सरकारी संस्थाओं की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

शंकर नगर रेज़िडेन्ट्स एसोसिएशन, तिरुवनंतपुरम के साथ आयोजित संवादात्मक सत्र

30 अक्तूबर 2025: क्षेत्रीय कार्यालय में इन-हाउस कार्यक्रमः- 30 अक्तूबर 2025 को तिरुवनंतपुरम स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों के लिए एक इन-हाउस कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10.00 बजे किया गया। इस कार्यक्रम में केरल आबकारी विभाग के सतर्कता अधिकारी श्री पी. विक्रमन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन के दौरान श्री विक्रमन ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं पर प्रकाश डाला तथा अपने व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से विषय को सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके संबोधन के पश्चात एक सक्रिय एवं सार्थक संवादात्मक सत्र आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे और अपने विचार साझा किए। इस सत्र ने अधिकारियों में सतर्कता के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना को और सुदृढ़ किया।

सतर्कता जागरूकता सत्र केरल आबकारी विभाग सतर्कता अधिकारी श्री पी विक्रमन के साथ

30 अक्तूबर 2025: वाद-विवाद / भाषण प्रतियोगिता का आयोजनः-छात्रों में सतर्कता का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से 30 अक्तूबर 2025 को तिरुवनंतपुरम की प्रतिष्ठित संस्था, चिन्नम्मा मेमोरियल गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल (सीएमजीएचएसएस) में एक भाषण (एलोक्यूशन) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था – "सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी"। इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्राओं ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें से 9 प्रतिभागियों ने विषय पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। छात्राओं ने अपने भाषणों के माध्यम से ईमानदारी, नैतिक मूल्यों और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों के महत्व को उजागर किया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए न केवल एक मंच सिद्ध हुई, बल्कि उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में भी सहायक रही।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत आयोजित इन सभी कार्यक्रमों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में प्रशासन, नागरिक और युवा पीढ़ी – सभी की समान भूमिका है। ऐसे आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों को मजबूत करने तथा एक पारदर्शी और उत्तरदायी व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

चिन्नम्मा मेमोरियल गर्ल्स हायर सेकेन्डरी स्कूल, तिरुवनंतपुरम में आयोजित वाक्पटुता (भाषण) प्रतियोगिता

श्री प्रवीण के के
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

उसके प्रेम का स्वरूप

वह बिछड़नों में जीना सीख गई,
आधे खुले सूटकेसों में भरी तड़प के साथ,
उन कैलेंडरों में
जहाँ हर शुक्रवार को
एक छोटे, पवित्र वादे की तरह घेरा जाता था।

चौदह वर्षों तक,
प्रेम दूरी में नापा गया,
ट्रेन की यात्राओं में, देर रात की उड़ानों में,
और उस शांत शक्ति में
जो हर हाल में लौट आती थी।

हर शुक्रवार,
हमारा घर फिर से साँस लेना सीख जाता था।
दरवाज़ा खुलता,
और उसके साथ आती थी एक गर्माहट,
जिसे कोई दूरी कम नहीं कर सकती थी।

वह हमें टुकड़ों में समेटे रहती,
जल्दबाज़ी भरी कॉल्स में,
अनुपस्थिति में छुपी देखभाल में,
उन दुआओं में
जो हमसे कहीं दूर तक पहुँच जाती थीं।

और फिर भी, उसने सब संभाल लिया,
जैसे चाँद ज्वार को थामे रखता है
बिना कभी समुद्र को छुए।
मातृत्व उसमें था,
बड़े शब्दों में नहीं,
बल्कि ठहरने के अनुशासन में,
जब ठहरना ही बिछड़ना बन जाता था।

अब घर ने अपना रूप बदल लिया है।
नानी चाय के कपों में ठहर जाती हैं,
फ़िरोज़ी रंग की यादों में,
उन गर्मियों में
जो कभी फीकी नहीं पड़तीं।

अब हम एक ही कमरों में नहीं हैं।
चार स्क्रीन चमकती हैं,
दुनिया के चार कोनों से,
एक कॉल में बंधे हुए
जो कभी छूटती नहीं।

पिक्सल्स में फिर से बना एक परिवार,
ठहरावों में,
"आवाज़ आ रही है?"
और "तुम याद आती हो" में,
इतना हल्के से कहा गया
जितना वह असल में होता नहीं।

फिर भी,
वह गर्माहट वैसी ही रहती है।

और फिर भी, एक शांत टीस है,
वह अपराधबोध
जो उन जगहों में खिलता है
जहाँ हमने खुद को बढ़ने दिया।

कुछ बनने के लिए, हमें जाना पड़ा।
सपने देखने के लिए,
हमें उन पलों को खोना पड़ा
जो लौटकर नहीं आएंगे।

अब, जब समय धीरे से
उसके विश्राम के मौसम में ढल रहा है,
मैं उसे देखती हूँ,
सिर्फ अपनी माँ के रूप में नहीं,
बल्कि एक ऐसी स्त्री के रूप में
जिसने दुनियाएँ उठाईं
और कभी यह नहीं कहा
कि उसे सहारा दिया जाए।

और यदि प्रेम का कोई रूप है,
तो वह उसी जैसा है,
स्थिर,
अडिग,
हमें जोड़े हुए
जबकि जीवन
हमें अलग-अलग दिशाओं में खींचता रहा।

केथरीन एलेक्स
सुपुत्री, श्रीमती सुजा एस
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

वार्षिक खेल दिवस - 2026

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम द्वारा 18 मार्च, 2026 को उदय सूट्स, शंखुमुखम (तिरुवनंतपुरम) में उत्साह और उमंग के साथ खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के इनडोर एवं आउटडोर खेल-कूद प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त अधिकारियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों तथा उनके परिजनों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया।

वार्षिक खेल दिवस–2026 का समूह चित्र।

इनडोर प्रतियोगिताओं में शतरंज एवं कैरम बोर्ड प्रमुख आकर्षण रहे। इन खेलों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने बच्चों तथा जीवनसाथियों के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे कार्यक्रम का पारिवारिक वातावरण और भी आनंदमय हो उठा। वहीं, आउटडोर खेलों में दौड़ और तेज चाल (वॉकिंग) जैसी रोचक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों में जोश और ऊर्जा का संचार किया।

कार्यक्रम के उपरांत उदय सूट्स में पुरस्कार वितरण समारोह एवं स्नेहभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और सभी कर्मियों एवं उनके परिजनों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय, सौहार्द और टीम भावना को भी सुदृढ़ बनाते हैं।

यह आयोजन सभी के लिए अत्यंत आनंददायक और यादगार रहा। प्रतिभागियों ने इस अवसर का भरपूर आनंद लिया और इसे एक सुखद एवं प्रेरणादायक अनुभव के रूप में संजोया।

श्री हरि कुमार ए
(एमटीएस)

केरल की सुदृढ़ सड़क अवसंरचना का रूपांतरण: KIIFB के साथ हडको की रणनीतिक साझेदारी

आधुनिक और सुदृढ़ अवसंरचना की दिशा में केरल की यात्रा को हाल के वर्षों में नवोन्मेषी वित्तीय तंत्रों और संस्थागत सहयोगों ने महत्वपूर्ण रूप से सशक्त किया है। इस परिवर्तन के केंद्र में केरल सरकार की एक अग्रणी पहल—केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेन्ट फंड बोर्ड (KIIFB)—स्थित है।

हडको और KIIFB के मध्य सहयोग केरल के अवसंरचना विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हडको द्वारा पहले ही KIIFB को राज्य के विभिन्न स्थानों पर जलापूर्ति, अस्पताल अवसंरचना तथा औद्योगिक अवसंरचना के लिए भूमि अधिग्रहण जैसी परियोजनाओं हेतु 4,280.00 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वित्तीय नवाचार, संस्थागत सुदृढ़ता और उत्कृष्ट कार्यान्वयन के समन्वय से हडको की यह साझेदारी राज्य की अर्थव्यवस्था और नागरिकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने की दिशा में अग्रसर है।

हडको का ऐतिहासिक योगदान

वर्तमान वित्तीय वर्ष में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) ने केरल में सड़क अवसंरचना परियोजनाओं हेतु 556 करोड़ की स्वीकृति प्रदान कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 15 रणनीतिक स्थानों पर विस्तृत ये परियोजनाएँ 619.75 करोड़ की कुल लागत वाली एक व्यापक पहल का हिस्सा हैं।

ये परियोजनाएँ वर्तमान में कार्यान्वयन के चरण में हैं, जो राज्य में संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की उनकी तात्कालिकता और महत्त्व को दर्शाती हैं।

कार्यक्षेत्र और प्रभाव

स्वीकृत परियोजनाओं में निम्नलिखित अवसंरचनात्मक घटक शामिल हैं—

- सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन
- पुलों और फ्लाईओवर का विकास
- रेलवे ओवर ब्रिज (ROBs) का निर्माण

इन विकास कार्यों से आवागमन सुगम होगा, यातायात जाम में कमी आएगी तथा शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होने से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

सुदृढ़ वित्तीय संरचना

इस परियोजना की प्रमुख विशेषताओं में इसकी सुव्यवस्थित वित्तीय संरचना शामिल है। हडको द्वारा प्रदान किया गया ऋण राज्य सरकार की गारंटी से सुरक्षित है, जिससे उच्च ऋण सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

13 वर्ष की पुनर्भुगतान अवधि को सतत राजस्व स्रोतों के अनुरूप सावधानीपूर्वक निर्धारित किया गया है। पुनर्भुगतान की व्यवस्था निम्न आधारों पर आधारित है—

- मोटर वाहन कर और पेट्रोलियम उत्पादों पर उपकर से प्राप्त बजटीय संसाधनों के माध्यम से राज्य सरकार का KIIFB में योगदान।
- KIIFB अधिनियम की धारा 7 के अनुसार केरल सरकार द्वारा वार्षिक बजट में KIIFB की पुनर्भुगतान देनदारियों के निर्वहन हेतु प्रावधान किया जाना।

यह संरचित पुनर्भुगतान मॉडल वित्तीय विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हुए राज्य पर राजकोषीय दबाव को न्यूनतम करता है।

कार्यान्वयन ढाँचा

इन परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन राज्य की प्रतिष्ठित एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है—

- केरल रोड फंड बोर्ड (KRFB)
- रोड्स एंड ब्रिजेस डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन ऑफ केरल लिमिटेड (RBDCK)
- कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (KMRL)

ये एजेंसियाँ तकनीकी विशेषज्ञता और उत्कृष्ट कार्यान्वयन क्षमता के माध्यम से परियोजनाओं को उच्च मानकों के अनुरूप पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इन परियोजनाओं की प्रगति केवल बेहतर सड़कों और पुलों का निर्माण ही नहीं करेगी, बल्कि समुदायों को जोड़ने, व्यापार को प्रोत्साहित करने और एक अधिक समेकित एवं समृद्ध केरल के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी।

हडको–KIIFB साझेदारी —सुगम आवागमन और प्रगति का प्रतीक।

श्री वेणुगोपाल पी
उप महा प्रबंधक (परियोजना)

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिवेंद्रम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह, गरिमा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करना तथा उनके सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. कार्तिका पी. जी. (एमबीबीएस, डीएनबी – शिशु रोग, एमआरसीपीसीएच – यूके), एसयूटी अस्पताल, पट्टम रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में महिलाओं के स्वास्थ्य, सशक्तिकरण तथा पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके विचारों ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को अत्यंत प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. कार्तिका पी. जी. का प्रेरणादायक भाषण।

डॉ. कार्तिका ने महिलाओं को निवारक स्वास्थ्य देखभाल अपनाने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा संतुलित जीवनशैली बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि महिलाएं अपने परिवार और समाज की धुरी हैं, इसलिए उन्हें अपनी भलाई और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके विचारों की सराहना की। यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने वाला भी सिद्ध हुआ। अंत में सभी ने महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह प्रेरणादायक आयोजन सभी के लिए स्मरणीय और सार्थक अनुभव रहा।

श्रीमती फेमीला लथीफ़
संयुक्त महा प्रबंधक
(आई टी)

वह यात्रा जिसने मुझमें आत्मविश्वास जगाया

कई वर्ष पहले, केरल की शांत और परिचित दुनिया में जीवन ने मेरे सामने एक ऐसा निर्णय रखा, जिसने सब कुछ बदल दिया। मेरे पति ने अभी-अभी हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हडको) में अपने करियर की शुरुआत की थी, और उनकी नियुक्ति उन्हें सौराष्ट्र और भुज (गुजरात) की दूरस्थ एवं शुष्क धरती पर ले गई। जो एक उज्ज्वल यात्रा की शुरुआत होनी चाहिए थी, वह धीरे-धीरे उनके लिए एक मौन संघर्ष बन गई। भाषा अपरिचित थी, संस्कृति भिन्न थी, और अकेलापन एक अनचाहे मेहमान की तरह उनके जीवन में बस गया था। हमारी हर बातचीत में एक अनकहा बोझ महसूस होता था, चाहे हम कितनी ही दूर क्यों न हों। तभी मैंने निर्णय लिया कि मैं पीछे नहीं रह सकती। मैंने सुविधा पर साहस को चुना।

मैंने स्थानांतरण के लिए आवेदन किया, और मुझे जो सबसे निकट स्थान मिल सका, वह जामनगर था, जो भुज से लगभग 350 किलोमीटर दूर था। यह पूर्णतः उपयुक्त नहीं था, परंतु इससे हम एक-दूसरे के और करीब आ गए। और कभी-कभी "करीब" होना ही दिल के लिए पर्याप्त होता है।

परंतु साहस कभी भय से रहित नहीं होता। यह मेरे जीवन का पहला अवसर था जब मैं केरल से बाहर कदम रख रही थी। मेरी गोद में मेरा तीन वर्ष का पुत्र था और मेरे हृदय में हजारों अनुत्तरित प्रश्न। उस समय न तो त्वरित संवाद के लिए मोबाइल फोन थे और न ही एक बटन दबाते ही मिलने वाला आश्वासन। कुछ आवश्यक बर्तनों के साथ, मेरी स्कूटर को अलग से ब्रेक वैन में भेजा गया। आशा को अपनी हर साँस में समेटे, मैं ढाई दिन की लंबी रेल यात्रा पर निकल पड़ी। आज भी मैं सोचती हूँ—वह शक्ति मुझमें कहाँ से आई?

जैसे-जैसे रेलगाड़ी आगे बढ़ती गई, मेरे विचार भी साथ-साथ चलते रहे। क्या वह स्टेशन पर मेरा इंतज़ार कर रहे होंगे? एक बिल्कुल अनजान स्थान पर मैं क्या करूँगी? परंतु जब ट्रेन अपने गंतव्य पर पहुँची, तो मेरे सभी भय एक ही क्षण में समाप्त हो गए। वे वहाँ मेरा इंतज़ार कर रहे थे। सब कुछ फिर से सही लगने लगा। हमने गुजरात में एक छोटे से एक-बेडरूम वाले घर में अपना जीवन प्रारंभ किया—अनिश्चितताओं के साथ, परंतु शांत आशाओं से भरा हुआ।

अगले ही दिन मैंने जामनगर स्थित अपने कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। वहाँ कुल सोलह कर्मचारी थे, और सभी पुरुष थे। मैं नई थी—संकोच और असमंजस से भरी हुई। भाषा की बाधा ने इसे और कठिन बना दिया था, और मैं भय, झिझक तथा अपनापन पाने की मौन आकांक्षा के बीच घिरी हुई थी।

अपने पहले दिन की तरह मैं टिफिन लेकर कार्यालय पहुँची। लेकिन जब दोपहर का समय आया, तो मैंने कुछ ऐसा देखा जिसने मेरा मन व्यथित कर दिया। सभी लोग साथ बैठकर हँसी-मज़ाक करते हुए भोजन कर रहे थे, परंतु किसी ने मुझे आमंत्रित नहीं किया। मैंने चुपचाप अपना टिफिन बंद किया और उसे बिना खोले ही घर वापस ले आई। यही क्रम अगले दिन और उसके बाद भी चलता रहा। एक बार फिर अकेलापन मेरे जीवन में लौट आया।

लेकिन मैंने मौन रहने के बजाय पहल करने का निर्णय लिया। तब तक मुझे यह ज्ञात हो चुका था कि गुजराती लोगों को दक्षिण भारतीय व्यंजन, विशेषकर इडली और सांभर, बहुत पसंद हैं। इसलिए चौथे दिन मैंने नरम इडलियाँ और गरम सांभर तैयार किया और उन्हें कार्यालय लेकर गई। संकोच भरी मुस्कान और आशा से भरे मन के साथ मैंने उन्हें मेज पर रखा और सभी को आमंत्रित किया।

कुछ क्षणों का मौन रहा, फिर जिज्ञासा जागी। वे आए, स्वाद लिया और धीरे-धीरे मुस्कान ने चुप्पी की जगह ले ली। उसी दिन मैंने साहस जुटाकर अपनी बात कही। मैंने उन्हें बताया कि मैं कितना अकेला महसूस कर रही थी और उनकी चुप्पी ने अनजाने में मुझे कितना आहत किया था। वे आश्चर्यचकित रह गए। जिसे मैंने उपेक्षा समझा था, वह उनकी मंशा नहीं थी। वे सचमुच क्षमाप्रार्थी और लज्जित थे। उनके क्षमायाचनाएँ औपचारिक नहीं, बल्कि हृदय से निकली थीं।

अगले ही दिन से सब कुछ बदल गया। दोपहर का भोजन अब अकेलेपन का नहीं, बल्कि अपनत्व का समय बन गया। प्रत्येक सहकर्मी मेरे लिए एक अतिरिक्त रोटी लाने लगा, जिसे वे स्नेहपूर्वक "गई कू रोटी" कहकर पुकारते थे। एक छोटी-सी पहल ने धीरे-धीरे आत्मीयता और अपनत्व का रूप ले लिया।

दिन महीनों में और महीने दो सुंदर वर्षों में बदल गए। अब मैं बाहरी नहीं रही थी; मैं उनकी "कालाबेन" बन चुकी थी। जो भूमि कभी अपरिचित लगती थी, वही अब मेरा घर बन गई थी। जो लोग कभी अजनबी थे, वे परिवार बन चुके थे। जब मेरे अगले स्थानांतरण का समय आया, तो मैंने केवल एक स्थान नहीं छोड़ा—मैंने अपने हृदय का एक अंश वहीं छोड़ दिया।

नैतिक संदेश

कभी-कभी दूरियाँ संबंधों की परीक्षा लेती हैं और अपरिचित स्थान हमारे साहस को परखते हैं।

परंतु दया का एक छोटा-सा कार्य और आगे बढ़ाया गया एक सरल कदम अजनबियों को भी परिवार में बदल सकता है।

श्रीमती कला एन नायर
पत्नि, श्री वेणु गोपाल
उप महा प्रबंधक (परियोजना)

अभिवादन 2026

श्री प्रवीण के के
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)
हडको क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम

सेवानिवृत्ति मई 2026

डॉ. हाम सिंग ओलिवर
संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)

श्रीमती जी गीताकुमारी
वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)

हडको शब्दावली

Affordable Housing	-	किफायती आवास
Economically Weaker Section (EWS)	-	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस)
Urban Infrastructure	-	शहरी अवसंरचना
Rural Infrastructure	-	ग्रामीण अवसंरचना
Housing Finance	-	आवास वित्त
Urban Development	-	शहरी विकास
Loan Assistance	-	ऋण सहायता
Term Loan	-	सावधि ऋण
Interest Rate	-	ब्याज दर
Repayment Period	-	पुनर्भुगतान अवधि
Subsidy	-	अनुदान
Project Cost	-	परियोजना लागत
Project Appraisal	-	परियोजना मूल्यांकन
Detailed Project Report (DPR)	-	विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन
Sanction of Loan	-	ऋण स्वीकृति
Disbursement	-	ऋण वितरण
Beneficiary	-	लाभार्थी
Nodal Agency	-	नोडल एजेंसी
Implementing Agency	-	कार्यान्वयन एजेंसी
Sustainable Development	-	सतत विकास
Social Infrastructure	-	सामाजिक अवसंरचना
Technical Assistance	-	तकनीकी सहायता

गृह पत्रिका 'संकल्प'(2025-26) को उत्कृष्ट गृह पत्रिका की श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर क्षेत्रीय प्रमुख पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता हैं कि हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा वर्ष 2024 - 2025 के दौरान प्रकाशित हिंदी पत्रिका संकल्प को तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के सदस्य स्थापनाओं के बीच में द्वितीय स्थान प्रदान किया जाता हैं।

तिरुवनंतपुरम
12.12.2025

डॉ. अनिता तंपी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड एवं अध्यक्ष,
तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)

प्रमाण पत्र

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम की प्रमुख गतिविधियाँ
सरकारी तालुक मुख्यालय, चेरत्तला
GOVT. TALUK HEADQUARTERS HOSPITAL
सी एस आर- 'हडको पहल'
Supported under Project Pehal
Steps Towards Inclusive Learning
कोच्चि मेट्रो
पकलवीडु
ATAL BIHARI VAJPAYEE BUIL
अस्पताल, केरला
जनरल अस्पताल, एर्नाकुलम
हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE
हडको क्षेत्रीय कार्यालय - तिरुवनंतपुरम
COCHIN CANCER RESEARCH CENTRE
COCHIN CANCER RESEARCH CENTRE
कोचीन कैन्सर अनुसंधान केंद्र, केरला